कृपया प्रकाशनार्थ **24 सितंबर 2012**

भाजपा नेता तथा पूर्व रेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री.राम नाईक द्वारा मुंबई में 24 सितंबर 2012 को पत्रकार सम्मेलन में प्रसारित वक्तव्य.

एलिव्हेटेड रेल केवल मृगजल - राम नाईक

मुंबई, सोमवार : ''मुंबई के उपनगरीय रेल यात्रियों की दृष्टी से एलिव्हेटेड रेल केवल मृगजल जैसा है.अच्छा होगा कि इस मृगजल के पिछे भागने के बदले अभी निर्माणाधिन योजनाओं को ही सरकार युध्दस्तर पर पूर्ण करें. साथ ही साथ रेल यात्रियों का विश्वास प्राप्त करने के लिए जल्द से जल्द मुंबई उपनगरीय रेल सेवा की श्वेतपत्रिका प्रस्तुत की जाएं,''ऐसी माँग भाजपा नेता तथा पूर्व रेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री.राम नाईक ने आज मुंबई में पत्रकार सम्मेलन में की. मुंबई के उपनगरीय रेल यात्रियों की माँगो को उजागर करने के लिए श्री.नाईक ने नए रेल मंत्री श्री.सी.पी.जोशी से चर्चा के लिए समय की माँग भी की है.

उपनगरी रेल के संदर्भ में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री.राम नाईक ने कहा,'' पिछले सप्ताह में विभिन्न अखबारों में एलिव्हेटेड रेल के विषय में अलग - अलग खबरें आयी है. पश्चिम रेलवे पर चर्चगेट से विरार तक एलिव्हेटेड रेल निर्माण के लिए प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएम्ओ) से रु.18,000 करोड की योजना को हरी झंडी दिखायी गयी है, तो दुसरी ओर मध्य रेलवे पर छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से कल्याण तक रु.32,000 करोड की एलिव्हेटेड रेल योजना को रेल बोर्ड द्वारा नकारा गया है, ऐसा इन खबरों में कहा गया है. जब यह योजना पश्चिम रेलवे पर हो सकती है, तो मध्य रेलवे पर क्यों नहीं यह सबसे पहला सवाल यात्रियों के मन में उठ रहा है. रेलवे, महाराष्ट्र सरकार तथा निजी पूंजीपतियों याने पीपीपी माध्यम द्वारा एलिव्हेटेड रेल बनाने का विचार है. यह बनने में 7-8 साल लगनेवाले है, इतनाही नहीं तो इस पर केवल वातानुकुलित गाडीयां दौडेगी. तो फिर क्या उनका किराया दूरदराज के उपनगरों में रहनेवाले कामगार तथा अन्य निम्न मध्यमवर्गीय यात्रि दे पाएंगे यह भी एक महत्वपूर्ण सवाल है. इस नए रेल किराए में तथा आज दौड रही उपनगरी गाडीयों के किरायें से जब अधिक अंतर होगा, तब क्या वें इस नये रेल से यात्रा करेंगे ? इन सभी मुद्दों को ध्यान में रख कर एलिव्हेटेड रेल पर विस्तार से चर्चा होना जरुरी है.''

''महाराष्ट्र सरकार ने भी दो मेट्रो रेल परियोजना प्रारंभ की है. उन्हें पूर्ण करने की प्रस्तावित तिथी कब की समाप्त हुई है, मगर अब भी मेट्रो रेल शुरु नहीं हुअी है. वर्सोवा - अंधेरी - घाटकोपर मेट्रो का प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह ने 21 जून 2006 को भूमिपूजन किया था. इसका काम अब भी पुरा नहीं हुआ है. तो दुसरी ओर चारकोप - वांद्रे - मानखुर्द मेट्रो का भूमिपूजन राष्ट्रपती श्रीमती प्रतिभा पाटील ने 18 अगस्त 2009 को किए अब तीन साल हुए है मगर जमीन पर काम अब भी शुरु नहीं हुआ है. इस पृष्ठभूमि पर एलिव्हेटेड रेल

योजना केवल मृगजल लगती है. इतने महत्त्वपूर्ण विषय की औपचारिक जानकारी प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएम्ओ), मुख्यमंत्री, रेल मंत्री यां फिर रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने क्यों नहीं दी; यह भी एक अहम् सवाल है,'' ऐसा भी श्री.राम नाईक ने कहा.

जब श्री.राम नाईक स्वयं रेल राज्यमंत्री थे तब मुंबई रेल विकास प्राधिकरण की स्थापना होकर एमयुटीपी - एक की शुरुवात की गयी थी. डा.मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री होने के बाद इस योजना को कैसे धीमी पटरी पर डाला गया यह मुंबई के रेल यात्री जानते भी है, और भुगत भी रहे है. इसी धीमी गति के कारण प्रस्तावित रु.3,125 करोड से एमयुटीपी - एक का खर्चा रु.1,049 करोड से बढ कर रु.4,174 करोड होने वाला है. इसी लापरवाही के कारण विरार - डहाणू रेल मार्ग को चौडा करने का काम पुरा हो कर 17 महिने हो जाने के बावजूद चर्चगेट - डहाणू सीधी लोकल गाडी प्रारंभ करने के लिए रेल प्रशासन को अभी तक समय नही मिला है. पश्चिम रेल मार्ग पर अब डी.सी. के बदले ए.सी. विद्युत योजना बनायी गयी है. इसके चलते उपनगरी गाडीयों की अभी की 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार बढा कर 100 किलोमीटर करनी चाहीए. ऐसा होने पर नया टाईम टेबल करना चाहीए जिससे यात्रियों के समय की बचत तो होगी और सेवाओं की संख्या भी बढेगी. मुंबई के 72 लाख यात्रियों को कुछ राहत तुरंत देने के लिए अधिक देरी किए बिना चर्चगेट - डहाणू सीधी गाडी शुरु करना तथा एमयुटीपी - एक व दो को जल्द से जल्द युद्धस्तर पर पुरा करें. साथही विद्यमान परिस्थिती की सही जानकारी जनता को प्राप्त कराने के लिए मुंबई उपनगरीय रेल की श्वेतपत्रिका (White Paper) प्रस्तुत करनी चाहिए, ऐसी माँग भी श्री.नाईक ने की.

''नए रेल मंत्री श्री.सी.पी.जोशी को मुंबई रेल यात्रियों की समस्याओं से अवगत कराने के लिए उनका समय माँगा है'', ऐसा भी श्री.राम नाईक ने अंत में कहा.

(कार्यालय मंत्री)